जबरदस्त साहस और संकल्प की एक दुर्लभ प्रेरक कहानी जिसका अंत जोरदार सफलता और उद्धार के रूप में सामने आया

कोलकाता के स्लम में बड़ी हुई अंग्रेज बच्ची

(आकर्ष शुक्ला)

नई दिल्ली : कहावत है कि सच्चाई कल्पना से ज्यादा चौंकाने वाली होती है। जिलियम हसलम का जीवन इस कहावत को किसी अन्य चीज के मुकाबले ज्यादा अच्छी तरह पारिभाषित करता है। इनका जन्म 1970 में अंग्रेज अभिभावकों के यहां हुआ था जिन्होंने आजादी के बाद भारत में रहने का निर्णय किया। जिलियन और उनके परिवार ने एक ऐसा जीवन जीया जिसकी कल्पना उनके जैसी पृष्ठभूमि वाले लोगों से आप नहीं करेंगे। परिस्थितियां कुछ ऐसी रहीं और उसके अभिभावकों ने कुछ ऐसे निर्णय लिए जिसकी वजह से उन्हें बेघर और बेहद गरीब लोगों के बीच रहना पड़ा। गरीबी ऐसी कि जिलियन के चार भाई–बहन गरीबी और भूख के कारण मर गए। इनमें से दो को चाय कि पेटियों में दफनाया गया क्योंकि परिवार के पास ताबूत खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। जिलियन और उसके भाई बहन कोलकाता कि सड़कों पर स्लम में असहाय बच्चों के साथ बड़े हुए। मांग कर खाना और धमकाने–सताने वालों से बचकर रहना। जिलियन और उसके परिवार को शक की दृष्टि से और अविश्वास के साथ देखा जाता था और ऐसा वही लोग करते थे जिनके बीच वह रहती थीं और इसका कारण यह था कि ये लोग देखने में अलग थे और इनकी भाषा भी अलग थी। उन्हें गालियां दी जाती थी और शारीरिक यंत्रणा भी और यह सब तब होता था जब वे ऐसा करने वालों की ही तरह गरीब और परेशान थे। हालांकि, इन गरीब लोगों के बीच कुछ ऐसे लोग भी थे जो इनकी यदा–कदा सहायता करते थे। हसलम परिवार उन मुश्किल दिनों में मुख्य रूप से इन्हीं सद्भावनाओं की वजह से बचा रहा भले ही ये बहुत कम होते थे। जिलियन ने बचपन में ही तय कर लिया था कि वह अपने परिवार के लिए स्थितियां ठीक करेंगी हालांकि उस समय उन्हें यह भी नहीं पता था कि इसका क्या मतलब है और कैसे वह ऐसा कर पाएंगी। इस दिशा में शुरुआत तब हुई जब उन्हें एक स्कूल में मुफ्त शिक्षा मिलने लगी। कोलकाता में इसकी शुरुआत एक ब्रिटिश ने की थी। धीरे–धीरे और हरेक तकलीफदेह कदम के बाद वह अपनी उन मुसीबतों से निकल पाई जिसे नीयति ने उनके नाम कर दिया था। इस तरह उन्होंने अपना और अपने पूरे परिवार का जीवन पूरी तरह बदल दिया। उन्हें दिल्ली में बैंक ऑफ अमेरिका में नौकरी मिल गई और आगे बढ़ते हुए वह एम्पलाई चौरिटी डिविजन का प्रेसिडेंट बन गई। इस पद पर रहते हुए उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों तथा बेहद गरीबों के प्रति सहानुभूति के कारण

बढ़िया काम किया। आखिरकार जिलियन इंग्लैंड चली गई जहां इतने ही सफल बैंकिंग कैरियर के बाद उन्होंने अपनी मोटिवेशनल स्प. ीकिंग और प्रशिक्षण की कंपनी शुरू की। जिलियन हसलम का जीवन मानवीय भावनाओं के लचीलेपन का जीता–जागता सबूत है जिसे वहां तक पहुंचने और वह सब हासिल करने के लिए सिर्फ उम्मीद की किरण की जरूरत है जिसके बारे में माना जाता है कि उसकी पहुंच से दूर है। जिलियन की परिस्थितियां ऐसी थीं कि उसे यह मौका भी नहीं मिला कि वह सामान्य जीवन जी सके, उसने जो कुछ हासिल किया है वह तो दूर की बात है। इसके बावजूद उसने अपनी किस्मत बदल ली और ऐसा उसने कभी भी ना. उम्मीद नहीं होकर किया। सबसे मुश्किल समय में भी नहीं। ऐसा उसने यह मानकर किया है कि अच्छे दिन आने वाले हैं, बशर्ते वह दिन आ जाए। उसका मानना वैसा ही था जैसा चर्चिल का था, "अगर आप नर्क से गुजर रहे हैं तो बढ़ते रहिए।" कोलक. ाता के स्लम में सीढ़ियों के नीचे रहकर बड़े होने के बाद इंग्लैंड में तीन मंजिला घर खरीदने की जिलियन की बेजोड़ कहानी परी कथाओं जैसी लगती है। खास बात यह है कि उनकी यह कहानी पूरी तरह सत्य है। पसीना, खून और आंसू की कहानी जो संकल्प की कहानी है। जिलियन हसलम अपने जीवन की उपलब्धियों से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने बेहद गरीब लोगों की सहायता करना अपना मिशन बना लिया है ताकि वे अपनी मुश्किल स्थितियों से बाहर निकल सकें और अपने जीवन में कुछ कर सकें, वैसे ही जैसे खुद उसने किया है। इस समय वह भारत में अपने संस्मरण इंडियन. इंग्लीश., के प्रचार में लगी हुई हैं। इसमें उनकी मुश्किलों का इतिहास है जिसकी शुरुआत कोल. काता के स्लम से होती है और जो अपने कठिन परिश्रम, सकारात्मक सोंच और तमाम बाधाओं के बावजूद बने रहने की अपनी योग्यता के बल पर काफी ऊंचाई पर पहुंच जाती हैं। जिलियन को उम्मीद है कि अपनी कहानी साझा करके वे कई दूसरे लोगों को बेहतरी के लिए संघर्ष करने के लिए प्रेरित करेंगी, इसमें इस बात का कोई मतलब नहीं है कि उनकी स्थितियां कितनी मुश्किल हैं। जरूरत की जगहों पर पैसे लगाकर जिलियन सक्रियता से ऐसे कार्यक्रमों के प्रचार प्रसार और उन्हें बढ़ावा देने के काम में लगी हैं जो गरीबी दूर करने के लिए हैं। वे सक्रियता से व्याख्यान देती हैं, बै. ठकें और प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करती हैं और वर्षों से इस उम्मीद में ऐसा कर रही हैं कि गरीबी की गंभीर समस्या पर ध्यान खींच पाएंगी। जिलियन के शब्दों में, "मुझे उम्मीद है कि मेरी कहानी दुनिया भर में लोगों का दिल छुएगी (खासकर मेरी जन्मभूमि भारत में) ताकि हमारे लिए जो कुछ भी किया गया है उसके लिए हम माफी दें, निष्ठा और आभार जताएं न कि उसके लिए परेशान रहें जो हमसे छीन लिए गए।"